096 सूरह अलक. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» अल्लाह तआला की सब्से पहली वहि.

हुज़ूरﷺ पर ये सब्से पहली वहि हे, इस मुबारक सूरह मे इन्सानी पैदाइश के बयान के बाद अल्लाह की तरफ से आने वाली वहि और उस्को बन्दो तक पहुंचाने का एलान हे, दीन के दुश्मनो का सर कुचलने की ज़िम्मेदारी अल्लाह तआला की हे.

हुज़ूरﷺ को ये इर्शाद हुवा कि उस रब के नाम से जो सारे जहान का पैदा करने वाला हे, अल्लाह तआला का फरमान (आदेश) पढो, उसीने इन्सान को पैदा फरमाया हे, इन्को अपने रब का एहसान याद दिलावो के उसने अनपढो पर ये एहसान फरमाया कि इन्को कलम के ज़रिये तालीम देने का इन्तेज़ाम और बन्दोबस्त फरमाया और इन्को वो चिझे बताई जिन्को वो खुद नही जानते थे,

उस्के बाद काफिरो को उन्की नाफरमानी पर डांट फटकार फरमाई के ये लोग माल और ओहदे के घमंड मे अल्लाह तआला से बेपरवाह होकर बैठे हे, हालाकि आखिर को इन लोगो को अल्लाह तआला के सामने लौट कर आना हे, नाफरमानो को खास तौर से ताकीद और चेतावनी दी गई हे कि जब अल्लाह का रसूल सीधे रास्ते पर हे और तकवे की बात बता रहा हे और ये नाफरमान अपनी ज़िद की वजह से जानते बूझते हुये हक बात का इन्कार कर रहे हे तो

नतीजा क्या होगा? इस किस्म के नाफरमानो को अच्छी तरह सोच लेना चाहिये कि अल्लाह तआला इन्की सारी गुस्ताखियो और बदतमीज़ी की हरकतो को देख रहे हे, बहुत जल्दी वो दिन आ-रहा हे जब हम इन गुनेहगारो को पैशानीयो के बल पकड कर घसीटेंगे. हुज़ूरﷺ को फरमाया गया कि आप इन्की बदतमीज़ीयो और फूहडपन (गुस्ताखी, गाली गलोच) की परवाह ना करे, सज्दा करे और अपने रब से ज्यादा करीब हो जाये. (यहा पर एहतियात के तौर पर सज्दा करले)